रिपोर्ट

महिला-पुरुष रिपोर्ट 2025 में खुलासा, व्यापारिक प्रतिष्ठानों की बन रहीं मालकिन, मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र के प्रति भी बढ़ रहा है रुझान

यूपी में महिलाएं तेजी से थाम रहीं कारोबार की कमान

अजित खरे

लखनऊ। यूपी की महिलाएं अब घर के फैसलों से लेकर खुद के कारोबार और उद्योगों तक की कमान तेजी से संभालने के लिए आगे बढ़ रही हैं। आज आधी आबादी खुद का स्टार्टअप शुरू करने में भी पीछे नहीं है। निवेशकों में भी उनकी तादाद तेजी से बढ़ी है।

उत्तर प्रदेश की महिलाओं की सशक्त होती भूमिका का खुलासा महिला-पुरुष रिपोर्ट में दर्शाया गया है। देश भर में महिला और पुरुषों की सामाजिक आर्थिक स्थिति पर केंद्र सरकार ने इसी महीने यह रिपोर्ट जारी की है। इसमें यूपी की महिलाएं कई मानकों पर देश के दूसरे राज्यों से बेहतर काम करती दिखती हैं।

स्टार्टअप से उद्योगों को संभालने तक दिखा रहीं दम खम

47 प्रतिशत मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में यूपी की महिलाएं शामिल

02 नंबर पर यूपी महिला श्रमिकों की हिस्सेदारी में

कारोबार के इतर उत्पादन पर जोर

व्यापार, कारोबार से इतर खुद की मैन्यूफैक्चरिंग का काम करने में महिलाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं। यूपी में तीन सालों से यह आंकड़ा बढ़ रहा है। मैन्यूफैक्चरिंग में साल 2023-24 में यूपी की महिलाओं की हिस्सेदारी 47.66% हो गई। व्यापार में हिस्सेदारी 9.35 प्रतिशत है जबकि अन्य सेवाओं में प्रतिशत 7.12 है। साल 2022-23 में उत्पादन करने वाली फैक्ट्रियों की महिला स्वामित्व की हिस्सेदारी 46.79 प्रतिशत थी। व्यापारिक प्रतिष्ठानों में कुल श्रमिकों में 11.57%के साथ महिला श्रमिक आगे है।

महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स-2024

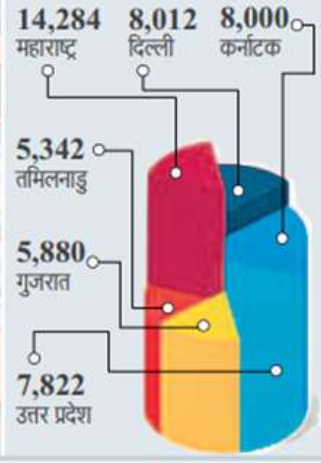

महिला स्टार्टअप में गुजरात से भी आगे

कम से कम एक महिला के साथ महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्ट-अप की संख्या यूपी में तेजी से बढ़ रही है। कुछ वर्षों में, कम से कम एक महिला निदेशक के साथ स्टार्टअप की संख्या में वृद्धि महिला उद्यमिता में सकारात्मक प्रवृत्ति को दर्शाती है। पूरे देश स्टार्टअप की कुल संख्या 2017 में 1,943 थी। वहीं 2024 में 17,405 स्टार्टअप चालू हुए। यूपी में 2017 में 174 स्टार्टअप थे। इस साल ही तीन माह में 52 नए महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप चालू हुए। यूपी में कुल 7,822 महिला स्टार्टअप हो गए।